केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 111 शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दो बाइकों की भिडन्त में महिला की मौत



भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर थाना क्षेत्र में ओठघनपुर स्थित बेलाड़ी ओवरब्रिज के पास बुधवार दोपहर दो बाइकों की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार 11 नवंबर को दोपहर ओठघनपुर हाईवे पर दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। एक बाइक पर मनोज चौहान पुत्र बुद्धू चौहान और संगीता देवी पत्नी अमर सिंह चौहान निवासी कोठवा भरतपुर, थाना नगर सवार थे। वहीं, दूसरी बाइक पर विकास चौधरी पुत्र पारसनाथ चौधरी निवासी वनकसही, थाना मुंडेरवा सवार थे।

टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइकों पर सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में इलाज के दौरान संगीता देवी ने दम तोड़ दिया, जबकि अन्य दोनों घायलों का उपचार किया गया।

मृतका संगीता देवी के तीन बच्चे हैं। इनमें लक्ष्मी (15), मधु (13) और मोहन (10) शामिल हैं। मां की असमय मौत से तीनों बच्चों के सिर से ममता का साया उठ गया। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। थाना प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बस्ती रेलवे स्टेशन पर होगा 6 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज का निर्माण



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवडकर गुरुवारको बस्ती रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। काम की धीमी प्रगति देखकर उन्होंने नाराजगी जताई । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने पर जोर दिया। स्टेशन परिसर में बंदरों से यात्रियों को हो रही परेशानी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि तीनों मंडलों के जिन रेलवे स्टेशनों पर खाली जगह है, वहां बगीचा बनाया जाएगा। इससे स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण होगा और बंदरों की समस्या से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि बस्ती रेलवे स्टेशन पर 6 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज का निर्माण जल्द शुरू होगा। इससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने में सहूलियत मिलेगी। इसे अगले साल के मध्य तक पूरा करने का लक्ष्य है। पार्किंग की समस्या पर महाप्रबंधक ने कहा कि अभी उपलब्ध जगह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने पार्किंग की जगह बदलने के निर्देश दिए, ताकि आगे पार्किंग की बेहतर व्यवस्था हो सके। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

डिलिमिटेशन बिल के लिए संसद का विशेष सत्र बुला सकती है सरकार

नई दिल्ली (आभा)। मोदी सरकार डिलिमिटेशन बिल (परिसीमन बिल) के लिए जल्द ही संसद का स्पेशल सेशन (विशेष सत्र) बुला सकती है। अप्रैल महीने में पेश किया गया डिलिमिटेशन बिल संसद से पास नहीं हो सका था, जिससे एनडीए सरकार को झटका लगा था। लेकिन मई में पश्चिम बंगाल के आए चुनावी नतीजों के बाद एनडीए की ताकत बढ़ी है और संसद में वह दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच गई है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार जल्द ही डिलिमिटेशन बिल पास करवाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। डिलिमिटेशन बिल पास करने के लिए सरकार को दो तिहाई बहुमत की जरूरत है।

सूत्रों ने भरोसा जताया है कि सरकार 15 से 18 वोटों के अंतर से जीत जाएगी। सूत्रों ने कहा कि सरकार को जरूरी नंबर मिलने का भरोसा है, लेकिन उन्होंने प्रस्तावित सेशन की तारीखों या समय के बारे में नहीं बताया। इससे पहले, संसद



का मॉनसून सत्र अगस्त के मध्य में खत्म हो गया था, लेकिन उसे अभी तक औपचारिक रूप से स्थगित नहीं किया गया है। इसको लेकर भी कांग्रेस समय–समय पर सवाल उठाती रही है कि इसे स्थगित क्यों नहीं किया गया, जबकि आमतौर पर ऐसा नहीं होता है।

केंद्र सरकार ने अप्रैल महीने में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन डिलिमिटेशन) को लेकर संसद में तीन अहम विधेयक पेश किए थे। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक शामिल थे। सरकार का प्रस्ताव था कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 की जाए और राज्यों की विधानसभा सीटों में भी बदलाव किया जाए। इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाकर निर्वाचन क्षेत्रों का नए सिरे से निर्धारण करने की योजना थी। इस पूरी कवायद को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण लागू करने से भी जोड़ा गया था। 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के तहत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है, लेकिन इसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन के बाद होना था।हालांकि, सरकार का यह प्रस्ताव 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में पारित नहीं हो सका। इसकी सबसे बड़ी वजह विपक्ष का विरोध और संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो–तिहाई बहुमत नहीं मिलना था। विपक्षी दल महिला आरक्षण के समर्थन में थे, लेकिन उनका आरोप था कि सरकार परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ उठाना चाहती है। दक्षिण भारतीय राज्यों को आशंका थी कि जनसंख्या के आधार पर सीटों को फिर से निर्धारित किए जाने से उत्तर भारतीय राज्यों की लोकसभा में हिस्सेदारी बढ़ सकती है और दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधित्व घट सकता है।

तैयारियां पूरी, चित्रांश क्लब द्वारा कुंआनों आरती 13 को



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कुंआनों को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के बड़े उद्देश्य को लेकर भव्य कुंआनों आरती की तैयारियां पूरी की जा चुकी है। अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ मंदिर के निकट शुक्रवार 13 नवम्बर को शाम 5 बजे से कुंआनों आरती आरम्भ हो जायेगी। चित्रांश क्लब संस्थापक राजेश चित्रगुप्त के शिवनगर तुरकहिया स्थित आवास पर हुई तैयारी बैठक में कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया।

तैयारी बैठक में चित्रांश क्लब अध्यक्ष शेष नारायण गुप्ता, महिला विंग अध्यक्ष संजू श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष कुंआनों आरती की और भव्य तैयारियां की गई है। भव्य आरती, झांकी के साथ भजन संध्या के साथ ही विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है।

तैयारी बैठक में मुख्य रूप से दिनेश श्रीवास्तव 'मास्टर साहब' संरक्षक अंकुर वर्मा, सन्तोष सिंह, रामकमल सिंह, राजन गुप्ता, राजेश श्रीवास्तव, अजय कुमार श्रीवास्तव, रत्नाकर श्रीवास्तव 'आदर्श', प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, अविनाश श्रीवास्तव, राम गोपाल गुप्ता, दीपू श्रीवास्तव, अतुल कुमार ददुदुल, रेखा चित्रगुप्त, सर्वेश श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल 'पप्पू', लक्ष्मी अरोरा, संध्या दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तव, शैल पाण्डेय, सुमन श्रीवास्तव, रागिनी गुप्ता, संज्ञा श्रीवास्तव, अतुल चित्रगुप्त, उमंग शुक्ला, वरुण यादव, डा. वी.के. श्रीवास्तव, शेष नरायन गुप्ता, मुजीब अंसारी, अयाजुर्रहमान, जी. रहमान, डा. कृष्ण कुमार प्रजापति, वरुण यादव,करुण सिंह के साथ ही चित्रांश क्लब पदाधिकारी, सदस्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

ट्रैक्टर के रोटावेटर की चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक की मौत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

मुण्डेरवा (बस्ती)। मुण्डेरवा। थाना क्षेत्र के दत्तुआखोर गांव में गुरुवार सुबह सड़क के गड्ढों को समतल करने के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर में लगे रोटावेटर की चपेट में आने से 10 वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में अफरा–तफरी मच गई। वहीं, बालक की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, गांव में ईंट भट्ठे से ईंटों की ढुलाई के कारण कच्ची सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए थे। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे ट्रैक्टर की मदद से इन गड्ढों को भरकर सड़क को समतल करने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान आसपास मौजूद कुछ बच्चे ट्रैक्टर पर लगे रोटावेटर पर चढ़ने का प्रयास करने लगे। तभी अंश पुत्र धर्मेंद्र का अचानक पैर फिसल गया और वह ट्रैक्टर तथा रोटावेटर के बीच आ गया। रोटावेटर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। बालक की मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। बताया जाता है कि अंश अपने पिता का इकलौता पुत्र था। उससे बड़ी तीन बहनें हैं। परिवार के इकलौते बेटे की असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अखिलेश यादव ने किया सामाजिक परिवर्तन मोर्चे का स्वागतः कहा भाजपा को होगा नुकसान

लखनऊ (आभा)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के सामाजिक परिवर्तन मोर्चे का स्वागत किया। उन्होंने दावा किया कि नए राजनीतिक विकल्प से भाजपा को दो से तीन प्रतिशत वोटों का नुकसान हो सकता है। अखिलेश ने पीडीए समाज की आवाज उठाने वाले दलों को सहयोग देने की बात कही।

सपा अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट कर कहा– पीडीए समाज की आवाज उठाने वाले हर दल का करेंगे सहयोगय बोले– मोर्चों से लोकतंत्र मजबूत होता है, लेकिन मंशा समाज की भलाई की होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी के 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक स्तर पर परिवर्तन जरूरी है, लेकिन वास्तविक सफलता तभी मिलेगी, जब राजनीतिक परिवर्तन का मोर्चा भी सक्रिय होगा। अखिलेश ने दावा किया कि इस तरह के नए राजनीतिक विकल्प से भाजपा को दो से तीन प्रतिशत वोटों का नुकसान हो सकता है। 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का हम स्वागत करते हैं! समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए



लेकिन सच में सफलता तब ही मिलेगी जब 'राजनीतिक परिवर्तन मोर्चा' सक्रिय होगा। पीडीए समाज के भले के लिए जो भी साम्प्रदायिक ताकतों से सच में लड़ेगा और पीडीए समाज की आवाज उठाएगा, उसकी ईमानदार आवाज अवाम तक पहुँचाने में हम सहयोग करेंगे। इसका एक फायदा विपक्ष को ये मिलेगा कि भावनात्मक जुमलों और छलावे में आकर जो लोग साम्प्रदायिक शक्तियों को वोट दे देते थे, वो अब उनकी तरफ नहीं जाएंगे। बहकावे में आकर वोट देने वाले ऐसे भोले–भाले लोगों के लिए अब एक और विकल्प खुला होगा। इससे भाजपा को 2–3ः वोटों की हानि और होगी। भाजपा तो कहीं की नहीं रहेगी। केवल बातों और बयानों से सरगर्मी पैदा करना जिनका मकष्सद होता है, जनता उनका सच समझती है। सच तो ये है कि ऐसे मोर्चों से लोकतंत्र और भी मजबूत होता है, बशर्ते उसके पीछे अपने समाज की भलाई की मंशा हो, किसी तीसरे का काला–मंसूबा नहीं। अगर कोई सियासत की कठपुतली बनकर रह जाता है तो जनता जमानत जब्त भी करवा देती है। उम्मीद है सियासत में 'वोटों की ठेकेदारी प्रथा' खष्त्म होगी और हर कोई अपने समाज के सच्चे हित के लिए काम करेगा। बहुत दिनों से अपेक्षित इस घटनाक्रम के घटित होने के बाद आज यह भी स्पष्ट हो गया है कि उप्र के विधानसभा चुनावों में जिसका आधारभूत वोट ज़्यादा होगा, सच में 'परिवर्तन' चाहनेवाली जनता उसीकी तरफ जाएगी, और इस संदर्भ में 'पीडीए' से बड़ा अन्य कोई विकल्प है ही नहीं। हार्दिक शुभकामनाएँ!

भाजपा के संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं को दिया बूथ स्तर की मजबूती का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की अध्यक्षता में गुरुवार को जनपद की हरैया एवं कप्तानगंज विधानसभा में विधानसभा वार संगठनात्मक बैठकें आयोजित की गईं। पहली बैठक हरैया ब्लॉक समागार में 307 हरैया विधानसभा तथा दूसरी बैठक दोपहर कप्तानगंज ब्लॉक समागार में 308 कप्तानगंज विधानसभा में सम्पन्न हुई।

आगामी विधानसभा चुनाव–2027 की तैयारियों, संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा तथा बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इन बैठकों में कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

बैठकों के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरैया विधानसभा प्रभारी लालजी त्रिपाठी तथा कप्तानगंज विधानसभा प्रभारी सेतुबान राय उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. सत्येन्द्र सिन्हा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने–अपने विधानसभा



क्षेत्र के सभी मंडलों को मजबूत बनाने के लिए पूरी सक्रियता से जुटना होगा। पन्ना प्रमुख, शक्ति केंद्र प्रमुख, बूथ प्रमुख एवं बूथ समितियों के बीच बेहतर समन्वय और आपसी संवाद स्थापित करना आवश्यक है। सभी कार्यकर्ता मिलकर जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि संगठन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभाव बूथ स्तर तक दिखाई दे।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आम जनता तक पहुंच रही हैं। कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे और कहीं कोई समस्या हो तो उसके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। संगठन द्वारा निर्धारित कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से उतारने से ही संगठन और अधिक मजबूत होगा।

बैठकों में हरैया विधायक अजय सिंह, कप्तानगंज के पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश शुक्ल, जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा, राजेश त्रिपाठी, राजकुमार शुक्ल, राधेश्याम कमलापुरी, सुनील सिंह, वीरेन्द्र गौतम, रामसिंगार ओझा, विनय सिंह भारद्वाज, अखण्ड प्रताप सिंह, विनय शंकर मिश्र, अमित चतुर्वेदी, श्री जवाहर जैसवाल, शिवचरन जायसवाल, ओमकार सिंह, अमरनाथ शर्मा, राजेश कमलापुरी, मनोज पाठक, गौरव मणि त्रिपाठी एवं गंगेश सिंह सहित मंडल पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चन्द्रशेखर ने सपा–कांग्रेस को दिया अपने गठबंधन में आने का न्योता

लखनऊ (आभा)। ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी ने यूपी चुनाव के लिए 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' बनाया है। चंद्रशेखर ने सपा–कांग्रेस समेत विपक्षी दलों को गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को हराने और विपक्षी वोटों का बंटवारा रोकने के लिए सीटें सुरक्षित रखी गई हैं।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी मिलकर यूपी चुनाव लड़ेगी। शुक्रवार को दोनों नेताओं ने 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' गठबंधन का ऐलान किया। इस दौरान एएसपी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने सपा– कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों को भी इस गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि जो विपक्षी दल भाजपा को अधिक प्रभावी तरीके से हराना चाहते हैं और विपक्षी वोटों का बंटवारा रोकने के लिए बड़े गठबंधन का हिस्सा बनना चाहते हैं, उनका मोर्चे में स्वागत है। ऐसे दलों के लिए



सीटें भी सुरक्षित रखी गई हैं।

उन्होंने साफ किया कि यदि विपक्षी दल साथ आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा, लेकिन अगर वे गठबंधन में शामिल नहीं होते हैं तो सामाजिक परिवर्तन मोर्चा पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगा। चंद्रशेखर आजाद ने दोनों दलों के बीच किसी तरह के मतभेद से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम एक परिवार की तरह मिलकर चुनाव लड़ेंगे। दोनों दलों के बीच आपसी सहमति है और उनका मकसद राजनीतिक बदलाव लाना है। इस नए मोर्चे के गठन से यूपी की चुनावी राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना है। खासकर विपक्षी वोटों के बंटवारे और भाजपा के खिलाफ गठबंधन की रणनीति को लेकर आने वाले दिनों में सियासी गतिविधियां तेज हो सकती हैं।

संयुक्त प्रेसवार्ता में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ऐलान किया कि उत्तर प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन मोर्चा चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा को रोकने के लिए उनका गठबंधन मजबूत विकल्प बनेगा और प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। ओवैसी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए एसआईआर के आंकड़ों को लेकर सवाल उठाए।

उन्होंने पूछा कि 10 अप्रैल को फाइनल एसआईआर प्रकाशित होने के बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख बहुसंख्यक समुदाय के लोगों के नाम कटने का आंकड़ा कैसे निकाल लिया? ओवैसी ने यह भी पूछा कि इनमें कितने बांग्लादेशी, पाकिस्तानी या गैर–भारतीय नागरिक हैं। इसकी देशवार सूची जारी की जानी चाहिए। वहीं, चंद्रशेखर आजाद ने घोषणा की कि 26 नवंबर को संविधान दिवस पर लखनऊ के माता रमाबाई मैदान में 'बहुजन समाज महासम्मेलन महारैली' होगी। उन्होंने ओवैसी को 'असद भाई' कहकर रैली में शामिल होने का न्योता दिया। चंद्रशेखर ने बताया कि महारैली के बाद गठबंधन अपना घोषणापत्र जारी करेगा।

बेटी को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ते–लड़ते पिता ने तोड़ा दम, 15 महीने बाद भी मासूम को न्याय का इन्तजार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के मामले में एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। बेटी को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे पिता लगभग 30 वर्षीय राजू ने बीमारी के चलते इलाज के दौरान गोरखपुर मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान 11 नवम्बर बुधवार को दम तोड़ दिया। पिता की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, करीब 15 महीने बीत जाने के बाद भी मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के मामले का खुलासा नहीं हो सका है और न ही अब तक आरोपी की गिरफ्तारी हो पाई है।



बताया जाता है कि मासूम बच्ची के साथ हुई जघन्य घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था। बच्ची के शव की हालत देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए थे। घटना के बाद से ही पीड़िता पिता अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे थे। इसी बीच वह गंभीर बीमारियों से जूझने लगे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पिता के निधन की दुखद सूचना मिलने पर समाजसेवी रवि प्रकाश, भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, अजय उर्फ प्रमोद, संदीप कुमार, अवनीश प्रभात, अंकुश राज, रवि गौतम सहित कई लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया वहीं, आरके आरतियन, पूर्वांचल जोन अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा, हृदय गौतम, सरिता भारती सहित अन्य लोगों ने भी परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। कहा कि मासूम बच्ची को न्याय दिलाने की लड़ाई अब भी जारी रहेगी। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सभी लोग एकजुट होकर संघर्ष करेंगे और मामले में दोषियों की गिरफ्तारी तथा घटना का खुलासा कराने के लिए आवाज उठाएंगे।सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर 15 महीने बीत जाने के बाद भी मासूम बच्ची को इंसाफ क्यों नहीं मिला? बेटी को न्याय दिलाने की आस में संघर्ष कर रहे पिता की मौत के बाद अब परिवार को न्याय की उम्मीद समाज और प्रशासन से है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 नवम्बर 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

बढ़ती हिंसा का दंश

एक सभ्य और विवेकवान समाज में अगर कभी किसी मसले पर विवाद की स्थिति बनती है, तो दोनों पक्ष उसे आपसी संवाद के जरिए हल कर लेते हैं और बात को सिर्फ एक तात्कालिक उतार–चढ़ाव के रूप में देखते हैं। मगर हाल के वर्षों में शहरों–महानगरों में आम जनजीवन में जिस तरह के तनाव घुलते देखे जाने लगे हैं, कई बार उनका कोई बड़ा आधार नहीं होता, लेकिन उनका अंत बेहद त्रासद होता है। इससे विचित्र और अफसोसजनक क्या होगा कि एक बेहद मामूली और अनदेखी करने लायक बात पर दो पक्षों के बीच तनाव सारी हदें पार कर हिंसक रुख अख्तियार कर लेता है और नाहक ही किसी की जान चली जाती है। देश भर में अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनमें बहुत छोटी बात पर मारपीट या हत्या भी हो जाती है।

हाल ही में हरियाणा के फरीदाबाद में एक व्यक्ति ने अपनी निर्धारित पार्किंग की जगह पर खड़ी कार को हटाने के लिए पड़ोसी को कहा। इस मामूली–सी बात से उपजे विवाद के बाद आरोपी इतना बेलगाम हो गया कि उसने बिना सोचे–समझे गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसमें उस व्यक्ति की जान चली गई। इस तरह, सिंगापुर से दिवाली का त्योहार अपने परिवार के साथ मनाने फरीदाबाद आए व्यक्ति की जिंदगी एक बेमानी विवाद का शिकार हो गई। यह समझना मुश्किल है कि इतनी साधारण–सी बात पर कोई इस कदर आपा कैसे खो दे सकता है कि वह किसी की हत्या कर दे। मगर विडंबना यह है कि आजकल आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आने लगी हैं, जिनमें सड़क पर सिर्फ वाहन छू जाने या अन्य किसी बेहद मामूली बात पर बहस हो जाने के बाद एक या फिर दोनों पक्ष अपना आपा खो देते हैं। हैरानी की बात यह भी है कि हिंसक टकराव में शामिल होते हुए लोग एक बार भी नहीं सोचते कि उसमें नाहक ही किसी की जान जा सकती है और उसके आरोपी को अपना जीवन कानून की गिरफ्त में काटना पड़ सकता है। ऐसा लगता है कि लोगों में धैर्य से कोई बात सुनने और उसे समझकर प्रतिक्रिया देने का विवेक खत्म होता जा रहा है। यह अफसोसनाक स्थिति आज की हकीकत बनती जा रही है, जिस पर सबको विचार करने की जरूरत है।

हाशिये पर वरुण गांधी

एक वक्त ऐसा था जब उत्तर प्रदेश के साथ केंद्र की राजनीति में वरुण गांधी नाम किसी पहचान का मोहताज नहीं था। वरुण को गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत, आक्रामक भाषण शैली, युवाओं के बीच लोकप्रियता और संसद में सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने का अंदाज उन्हें दूसरे नेताओं से अलग बनाता था। उनकी गिनती भारतीय जनता पार्टी के युवा और प्रभावशाली नेताओं में होती थी, लेकिन वर्तमान में तस्वीर काफी बदल चुकी है। जिस नेता को कभी प्रदेश में बीजेपी के बड़े चेहरे के रूप में देखा जाता था, अब न तो वह प्रदेश की राजनीति में पहले जैसे सक्रिय हैं और न ही केंद्र की राजनीति में उनकी कोई भूमिका नजर आती है। सवाल है कि आखिर वरुण गांधी जैसा राजनीतिक चेहरा सियासी परिदृश्य से दूर कैसे होता चला गया।

संजय और मेनका गांधी के पुत्र वरुण ने 2009 में पीलीभीत लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर अपनी संसदीय राजनीति की शुरुआत की थी। इसके बाद 2014 में उन्होंने सुल्तानपुर और 2019 में फिर पीलीभीत से जीत हासिल की। लोकसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने वाले वरुण गांधी के पास राजनीतिक अनुभव भी था और गांधी परिवार का नाम भी। बीजेपी हाईकमान ने वरुण को राष्ट्रीय महासचिव भी बनाया। एक वक्त ऐसा भी था जब उत्तर प्रदेश में वरुण गांधी को पार्टी के भविष्य के बड़े नेताओं में गिना जाता था, इतना ही नहीं उनके मुख्यमंत्री बनने को लेकर भी चर्चा होने लगी थी। लेकिन वरुण गांधी की राजनीति की पगडंडी सदैव आसान नहीं रही। भारतीय जनता पार्टी की मुख्यधारा की राजनीति में रहते हुए उन्होंने कई बार ऐसे मुद्दे उठाए, जिसको लेकर उनकी पार्टी और सरकार भी असहज होती दिखाई दी।

मेनका के पुत्र वरुण गांधी की राजनीति का एक अलग पक्ष यह रहा कि उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्या और सरकारी नौकरियों जैसे मुद्दों पर अपनी ही पार्टी की सरकारों पर सवाल खड़े किए। वरुण गांधी ने लखीमपुर खीरी हिंसा के बाद किसानों के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई। अक्टूबर 2021 में किसानों की मौत के मामले में जवाबदेही और निष्पक्ष जांच की मांग की। इतना ही नहीं, वरुण ने किसान आंदोलन को लेकर भी सरकार के रवैये पर सवाल खड़े किए। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में भर्ती भर्ती परीक्षाओं, युवाओं की परेशानी और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मामलों पर भी उन्होंने योगी सरकार को निशाने पर लिया। यही वह वक्त था जब वरुण गांधी और बीजेपी नेतृत्व के बीच दूरी बढ़ने की चर्चा तेज होने लगी। फिर सितंबर, 2021 में वरुण गांधी को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। यह पूरा घटनाक्रम उनके भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों को और मजबूत करने वाला था। वरुण गांधी के राजनीतिक करियर को उस वक्त सबसे बड़ा झटका लगा, जब लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी हाईकमान ने पीलीभीत से उनका टिकट काट दिया और जितिन प्रसाद को उनकी जगह उम्मीदवार बनाया। हालांकि, जितिन प्रसाद ने जीत दर्ज की। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि पीलीभीत सीट पर गांधी परिवार का तीन दशक से ज्यादा समय तक प्रभाव रहा था। वरुण गांधी की मां मेनका गांधी भी यहां से कई बार सांसद रह चुकी थीं।

वरुण गांधी ने टिकट कटने के बाद पीलीभीत के लोगों के नाम एक भावुक पत्र लिखा। पत्र में वरुण गांधी ने क्षेत्र से अपने पुराने रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि सांसद न रहने के बावजूद वह पीलीभीत के बेटे की तरह लोगों की सेवा करते रहेंगे और सुख–दुख में उनके साथ खड़े रहेंगे। वरुण ने निर्दलीय चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। इस तरह 2009 से लोकसभा में मौजूद रहने के बाद 2024 में उनका संसदीय सफर रुक गया। बीजेपी के इस फैसले से सिर्फ एक टिकट नहीं छीना, बल्कि वरुण गांधी के राजनीतिक प्रभाव पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। भाजपा से लोकसभा का टिकट कटने के बाद वरुण गांधी के कांग्रेस में जाने की अटकलें भी लगाई गईं। उनकी मुलाकातों और गांधी परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ सार्वजनिक मौजूदगी को राजनीतिक चश्मे से देखा गया। राहुल गांधी के साथ उनकी मुलाकात ने भी इन अटकलों को हवा दी। हालांकि, वरुण गांधी ने कांग्रेस का दामन नहीं थामा। वरुण गांधी की राजनीतिक यात्रा को देखें को उनके सामने तीन बड़ी चुनौतियां देखने को मिलती हैं। पहली चुनौती– संगठनात्मक आधार का अभाव। गांधी परिवार का नाम और व्यक्तिगत लोकप्रियता होने के बावजूद वह भाजपा के भीतर ऐसा मजबूत संगठनात्मक नेटवर्क तैयार नहीं कर पाए, जो पार्टी नेतृत्व से दूरी की स्थिति में भी उनकी राजनीतिक ताकत बना रहता।

यूपी की राजनीति में ओवैसी–चन्द्रशेखर की दोस्ती के निहितार्थ







—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े और चौंकाने वाले तीसरे मोर्चे की दस्तक हो चुकी है। लखनऊ में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हाथ मिलाते हुए अपने नए गठबंधन की औपचारिक घोषणा कर दी है। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के नाम से बने इस नए सियासी समीकरण ने घोषणा की है कि वह प्रदेश की सभी 403 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगा और इस मोर्चे की ओर से चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में आगे किया गया है। प्रदेश की कुल आबादी के दो सबसे बड़े और निर्णायक वंचित वर्गों यानी दलित और मुस्लिम मतदाताओं को एक ही छतरी के नीचे लाने के दावे के साथ उतरे इस गठबंधन ने लखनऊ से लेकर दिल्ली तक के राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। इस सियासी प्रयोग की सबसे बड़ी बुनियाद उत्तर प्रदेश का वह जातीय और सामाजिक गणित है, जिस पर लंबे समय से क्षेत्रीय दलों की राजनीति टिकी रही है।

उत्तर प्रदेश की जनसांख्यिकी और जातिगत आंकड़ों का विश्लेषण करें तो यह गठबंधन कागजों पर बेहद मजबूत नजर आता है। विभिन्न चुनावी सर्वेक्षणों और सामाजिक आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश की कुल आबादी में अनुसूचित जाति यानी दलित मतदाताओं की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत है। इनमें सबसे बड़ा हिस्सा जाटव बिरादरी का है, जो कुल दलित आबादी का आधे से ज्यादा यानी करीब 11 से 12 प्रतिशत तक मानी जाती है, जबकि शेष 9 से 10 प्रतिशत हिस्सेदारी पासी, धोबी, कोरी, वाल्मीकि और अन्य गैर–जाटव दलित उपजातियों की है। दूसरी तरफ, राज्य में मुस्लिम आबादी करीब 19 से 20 प्रतिशत के आसपास है। इस तरह दलित और मुस्लिम समाज की कुल आबादी मिलकर राज्य के लगभग 40 से 41 प्रतिशत मतदाताओं का निर्माण करती है। राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से लगभग 110 से 125 सीटें ऐसी हैं, जहां दलित और मुस्लिम आबादी का संयुक्त आंकड़ा 45 से 55 प्रतिशत से भी अधिक है। चंद्रशेखर और ओवैसी की रणनीति इन्हीं सीटों पर सियासी ध्रुवीकरण करने की है। इस गठबंधन में एआईएमआईएम के करीब 45 से 50 मुस्लिम बहुल सीटों पर चुनाव लड़ने और बाकी सीटों पर आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार उतारने का फॉर्मूला तय किया गया है, ताकि दोनों वर्गों के वोटों का सीधा ट्रांसफर सुनिश्चित हो सके।

इस नए मोर्चे के मैदान में उतरने से सबसे सीधा और गहरा सियासी खतरा अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के लिए खड़ा होता दिख रहा है। लोकनीति–सीएसडीएस के 2022 के विधानसभा चुनाव बाद के आंकड़ों पर नजर डालें तो समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को राज्य के कुल 79 से 80 प्रतिशत मुस्लिम मतदाताओं का एकतरफा समर्थन मिला था। इसी भारी मुस्लिम समर्थन और लगभग 83 प्रतिशत यादव वोटों की बदौलत सपा ने 2022 में 111 सीटें जीती थीं और उसका वोट प्रतिशत 32.06 तक पहुंचा था। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे के साथ सपा ने मुस्लिम और दलित वोटों के एक बड़े हिस्से को अपने पाले में खींचा था। अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अगर मुस्लिम बहुल सीटों पर आक्रामक प्रचार करती है और मुस्लिम वोटों में महज 10 से 15 प्रतिशत की भी सेंध लगाने में कामयाब होती है, तो सपा का पूरा चुनावी गणित गड़बड़ा सकता है। यूपी की दर्जनों ऐसी सीटें हैं, जहां हार–जीत का अंतर पांच हजार से पंद्रह हजार वोटों के बीच रहता है। ऐसे में मुस्लिम वोटों का मामूली बिखराव भी सपा के उम्मीदवारों को जीत की दहलीज से पीछे धकेलने के लिए काफी होगा।

दूसरी तरफ, बहुजन समाज पार्टी और मायावती के लिए यह गठबंधन अस्तित्व के संकट को और गहरा करने वाला साबित हो सकता है। बसपा का पारंपरिक आधार हमेशा से जाटव मतदाता रहे हैं। सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक 2007 में जब बसपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई थी, तब उसे 86 प्रतिशत जाटव और 54 प्रतिशत गैर–जाटव दलित वोट मिले थे। लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव तक आते–आते बसपा का जाटव वोट घटकर 65 प्रतिशत और गैर–जाटव दलित वोट मात्र 27 प्रतिशत रह गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में नगीना सीट से चंद्रशेखर आजाद की शानदार जीत ने यह साबित कर दिया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश का युवा और मुखर जाटव मतदाता अब मायावती के विकल्प के रूप में चंद्रशेखर की ओर देख रहा है। अब ओवैसी के साथ गठबंधन होने से बसपा को दोहरा नुकसान होगा। एक तो मायावती का बचा–खुचा जाटव वोट बैंक चंद्रशेखर के मुख्यमंत्री चेहरा बनने की भावनात्मक अपील पर खिसक सकता है। दूसरा, बसपा हर चुनाव में बड़ी संख्या में मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देकर जो दलित–मुस्लिम समीकरण बनाने की कोशिश करती रही है, वह रास्ता भी इस नए मोर्चे के बनने से लगभग बंद हो जाएगा।

यूपी की राजनीति में इस नए मोर्चे का उदय भारतीय जनता पार्टी के लिए किसी बड़े सियासी वरदान से कम नहीं माना जा रहा है। पिछले एक दशक में भाजपा की जीत का सबसे बड़ा फॉर्मूला गैर–यादव ओबीसी, सवर्ण और गैर–जाटव दलित वोटों की एकजुटता के साथ–साथ विपक्षी वोटों का बिखराव रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को 89 प्रतिशत ब्राह्मण, 87 प्रतिशत ठाकुर, 83 प्रतिशत वैश्य, 66 प्रतिशत कुर्मी और 64 प्रतिशत मौर्य–कुशवाहा–सैनी वोट मिले थे। इसके अलावा गैर–जाटव दलितों का 41 प्रतिशत हिस्सा भी भाजपा के साथ गया था। जब विपक्षी खेमे का वोट एकजुट होता है, जैसा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिला था, तब भाजपा को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब ओवैसी और चंद्रशेखर का गठबंधन मैदान में आने से भाजपा विरोधी वोट सीधे तौर पर तीन हिस्सों यानी सपा, बसपा और इस नए मोर्चे में बंट जाएंगे। ओवैसी की आक्रामक बयानबाजी से धुवीकरण की राजनीति को भी हवा मिलेगी, जिसका सीधा लाभ अक्सर भाजपा को अपने हिंदू वोट बैंक को एकजुट रखने में मिलता है। त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय मुकाबले में भाजपा का करीब 40 से 42 प्रतिशत का कोर वोट बैंक उसे आसानी से जीत दिलाने की स्थिति में ला सकता है।

भौगोलिक दृष्टि से देखें तो इस नए गठबंधन का सबसे ज्यादा असर और फायदा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, रुहेलखंड और तराई के इलाकों में देखने की संभावना है। पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलंदशहर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल और रामपुर जैसे जिलों में दलित और मुस्लिम आबादी का घनत्व सबसे अधिक है। सहारनपुर और बिजनौर चंद्रशेखर आजाद का गृह क्षेत्र और कर्मभूमि हैं, जहां भीम आर्मी का कैडर जमीनी स्तर पर बेहद सक्रिय है। मुरादाबाद, संभल, रामपुर और अमरोहा जैसे जिलों में मुस्लिम आबादी 40 से 50 प्रतिशत के बीच है, जहां ओवैसी की सभाओं में भारी भीड़ जुटती रही है। इसके अलावा पूर्वांचल के आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर जैसे तराई के जिलों में भी यह गठबंधन कई सीटों पर समीकरण बदलने की ताकत रखता है, हालांकि इसका मुख्य गढ़ पश्चिमी यूपी और रुहेलखंड ही रहने वाला है।

ओवैसी की पार्टी का चुनावी इतिहास बताता है कि वह भले ही बड़ी संख्या में सीटें न जीत पाए, लेकिन बड़े क्षेत्रीय दलों का खेल बिगाड़ने में माहिर है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण 2020 का बिहार विधानसभा चुनाव रहा है। बिहार के मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र की 24 सीटों में से एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और अमौर, बहादुरगंज, बायसी, जोकीहाट तथा कोचाधामन जैसी 5 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। ओवैसी की पार्टी ने वहां न केवल पांच सीटें जीतीं, बल्कि करीब एक दर्जन अन्य सीटों पर इतने वोट काटे कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाला महागठबंधन बहुमत के आंकड़े से महज कुछ सीटों से चूक गया और सरकार बनाने से वंचित रह गया। हालांकि, 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ओवैसी को वैसी सफलता नहीं मिल पाई थी। बंगाल में एआईएमआईएम ने बेहद कम सीटों पर चुनाव लड़ा था और वहां के मुस्लिम मतदाताओं ने भाजपा को रोकने के लिए एकमुश्त ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का साथ दिया था, जिसके कारण ओवैसी की पार्टी को कुल मिलाकर दस हजार वोट भी मुश्किल से मिले थे।उत्तर प्रदेश का सियासी मिजाज बंगाल से अलग और बिहार के काफी करीब है, जहां जातीय पहचान बेहद प्रबल है। ऐसे में 2027 के चुनाव में चंद्रशेखर का दलित आधार और ओवैसी का मुस्लिम चेहरा मिलकर क्या वास्तव में कोई सियासी करिश्मा कर पाएंगे या फिर वे केवल सपा और बसपा का खेल बिगाड़कर भाजपा की राह आसान करेंगे, यह आने वाले समय की सबसे दिलचस्प चुनावी पटकथा होगी।

यूपी में चुनावी हलचलों के बीच राजनीति की दशा-दिशा





—स्वदेश कुमार—

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब केवल तीन महीने बाकी हैं, लेकिन नेताओं की जुबान बता रही है कि 2027 की लड़ाई का दबाव अभी से सिर चढ़कर बोलने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अखिलेश यादव पर हमला करने के लिए भैंस का सहारा लेना पड़ा और अखिलेश को अपने बचाव में भगवान कृष्ण और गोपालकों को आगे करना पड़ा। विवाद की शुरुआत अखिलेश के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने उत्तराखंड के लोगों को उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा घुसपैठिया बताया। जवाब में योगी ने कहा कि उत्तराखंड की बेटी न होती तो अखिलेश सैफई में भैंस चरा रहे होते। दोनों नेताओं ने एक–दूसरे पर हमला किया, लेकिन इस तमाशे में सबसे बड़ा सवाल गायब हो गया कि उत्तर प्रदेश की जनता आखिर इन दोनों से अपने भविष्य का हिसाब कब मांगेगी? अखिलेश यादव की राजनीति पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एक मंच पर लाने के दावे पर खड़ी है। ऐसे में दूसरे प्रदेश से आकर यूपी में बसे लोगों को घुसपैठिया बताना उनकी राजनीति के लिए खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। क्या देश के भीतर किसी राज्य से दूसरे राज्य में जाकर बसना अपराध है? क्या उत्तराखंड से आया व्यक्ति उत्तर प्रदेश का नागरिक नहीं हो सकता? अखिलेश की टिप्पणी केवल राजनीतिक विरोधियों पर हमला नहीं थी, बल्कि उन हजारों परिवारों की भावनाओं पर चोट थी, जिनकी जड़ें एक प्रदेश में और रोजी–रोटी दूसरे प्रदेश में है। सपा की सफाई अपनी जगह, लेकिन अखिलेश को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। राजनीति में हर विवाद को भाजपा की साजिश बताकर जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता।

भाजपा ने अखिलेश की इस चूक को तुरंत उत्तराखंड के स्वाभिमान से जोड़ दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामपुर तिराहा कांड की याद दिलाई। दो अक्टूबर 1994 को अलग उत्तराखंड की मांग कर रहे आंदोलनकारियों पर मुजफ्फरनगर में पुलिस गोलीबारी हुई थी। सात लोगों की मौत हुई और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों ने इस घटना को उत्तराखंड के इतिहास का गहरा जख्म बना दिया। उस समय मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उनकी सरकार से जवाब मांगना बिल्कुल जायज है। लेकिन सवाल यह भी है कि भाजपा इस दर्द को केवल अखिलेश को घेरने के लिए क्यों याद करती है? उत्तराखंड की जनता को केवल चुनाव के समय स्वाभिमान याद दिलाने से रोजगार, पलायन और विकास की समस्याएं खत्म नहीं होतीं। इतिहास का सम्मान तभी है, जब वर्तमान की जिम्मेदारी भी उठाई जाए। अब योगी के बयान पर आइए। मुख्यमंत्री का कहना कि उत्तराखंड की बेटी न होती तो अखिलेश भैंस चरा रहे होते, क्या किसी मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुकूल है? भैंस चराना कोई शर्मनाक पेशा नहीं है। इसी मेहनत से लाखों परिवारों का घर चलता है। दूध बेचकर बच्चों को पढ़ाने वाले लोग क्या इसलिए कमतर हैं कि उनकी आजीविका पशुपालन है? योगी को अखिलेश पर हमला करना था, लेकिन उन्होंने अनजाने में उस श्रम को ही कटाक्ष का विषय बना दिया, जिसे सम्मान देने की बातें सरकार करती है। सत्ता में बैठा व्यक्ति जब किसी पेशे को अपमान का प्रतीक बनाता है तो उसका संदेश केवल विपक्ष तक सीमित नहीं रहता। मुख्यमंत्री को अपनी भाषा की जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

अखिलेश ने इसे भगवान कृष्ण और गोपालकों का अपमान बताकर धार्मिक रंग दे दिया। लेकिन सवाल है कि क्या गोपालकों की चिंता केवल राजनीतिक विवाद के समय ही याद आती है? उत्तर प्रदेश में लाखों परिवार पशुपालन से जुड़े हैं। 2019 की पशुगणना में प्रदेश में 330.17 लाख भैंसें और 190.20 लाख गोवंश दर्ज किए गए थे। इतनी बड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बावजूद पशुपालक दूध के उचित दाम, महंगे चारे, पशुओं के इलाज और भुगतान में देरी जैसी समस्याओं से जूझते हैं। किसान छुट्टा पशुओं से अपनी फसल बचाने के लिए रातभर खेतों में पहरा देता है। सरकार बताए कि पशु अस्पतालों में डॉक्टर और दवाएं कितनी उपलब्ध हैं। अखिलेश भी बताएं कि उनकी सरकार में पशुपालकों की इन समस्याओं का कितना समाधान हुआ। कृष्ण का नाम लेने से गोपालक की आमदनी नहीं बढ़ती और भैंस का मजाक उड़ाने से किसान की परेशानी कम नहीं होती। इस विवाद के पीछे 2027 का चुनावी गणित भी साफ दिखाई देता है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 255 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, जबकि सपा 111 सीटों पर सिमटी थी। भाजपा को 41.29 प्रतिशत और सपा को 32.06 प्रतिशत वोट मिले थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर बदली। सपा ने 37 और भाजपा ने 33 सीटें जीतीं। सपा इस नतीजे को अपने पीडीए गठबंधन की सफलता मानती है, जबकि भाजपा अपने सामाजिक आधार को दोबारा मजबूत करने में जुटी है। भाजपा गैर–यादव पिछड़े और दलित मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखना चाहती है। सपा मुस्लिम, यादव, पिछड़े और दलित मतदाताओं के समर्थन को विधानसभा तक पहुंचाना चाहती है। ऐसे में उत्तराखंड के लोगों पर अखिलेश की टिप्पणी भाजपा को नया राजनीतिक हथियार दे रही है। मगर 2024 के नतीजे 2027 की गारंटी नहीं हैं। दोनों दलों को जनता के सामने अपना काम रखना होगा।

योगी सरकार को सत्ता संभाले नौ साल से अधिक हो चुके हैं। अब हर समस्या का ठीकरा पिछली सरकारों पर फोड़कर जिम्मेदारी से बचने का समय नहीं है। सरकार 9.5 लाख से अधिक नियुक्तियों का दावा करती है और नियुक्ति पत्र बांटने के समारोह को उपलब्धि बताती है। लेकिन युवाओं का सवाल है कि सरकारी विभागों में कितने पद खाली हैं, कितनी भर्तियां लंबित हैं और कितने चयनित अभ्यर्थियों को नौकरी मिली? निवेश के बड़े दावों के बावजूद जमीन पर कितने कारखाने लगे और कितने स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला? किसान की लागत, महंगाई, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, अस्पतालों में डॉक्टरों की अनुपलब्धता और महिला सुरक्षा पर सरकार को ठोस आंकड़ों के साथ जवाब देना चाहिए।

धर्म और राजनीति



– निर्मल रानी–

इन दिनों सत्ता,गोदी मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा सुनियोजित तरीके से प्रचारित कर जनता पर थोपे गये बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने विवादित बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं।परन्तु इसबार उनके मुंह से जिस तरीके से भगवान श्री कृष्ण को लेकर अपमानजनक बातें की गयीं और उनका मजाक उड़ाया गया और जिन शब्दों व जिस अंदाज में पेश किया गया वह उनके क्षमा मांगने के बावजूद अक्षम्य है। गौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक कथा के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप व मुद्रा की तुलना करते हुये कहा कि श्रीराम के वाले श्रीराम बिल्कुल सीधे खड़े होते हैं, जबकि 'तुम्हारे वाले' श्रीकृष्ण की मुद्रा और चाल श्टेढ़ीश होती है। उन्होंने कृष्ण के बांसुरी बजाने को बच्चों का खेल और धनुष–बाण चलाने को बड़ी बात बताया। उन्होंने श्हमारे वाले रामश और श्उनके वाले कृष्णश जैसी शब्दावली का प्रयोग कर सनातन धर्म में जातिवाद की लकीर खींचने का भी दुष्प्रयास किया। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर देशभर के संतों,नेताओं, कृष्ण भक्तों और यादव समाज ने कड़ी आपत्ति जताई, तभी मौके की नजाकत को भांप कर इस श्लंपटश ने क्षमा मांगने में ही अपनी भलाई समझी। उसके आलोचकों का आरोप है कि ऐसे बयान से भगवान कृष्ण का उपहास उड़ाया गया है। इस मामले में आगरा की सिविल कोर्ट में उसके खिलाफ एक आपराधिक मानहानि की शिकायत भी दर्ज कराई गई।

इसी विवाद के बीच पिछले दिनों रायपुर में आयोजित एक कथा के दौरान शास्त्री ने सनातनियों से एकजुट होने की अपील करते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे श्तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा श की तर्ज पर एक नया नारा दिया है। धीरेंद्र शास्त्री का नारा है– श्तुम मेरा साथ दो, मैं हिंदू राष्ट्र बनाऊंगा।श परन्तु सवाल यह है कि क्या श्हमारे रामश और श्तुम्हारे कृष्णश जैसी दुर्भावनापूर्ण बातें कर समाज में फूट डलवाने की कुचेष्टा करने वाला व्यक्ति भी हिन्दू राष्ट्र का सूत्रधार बनने का सपना देख सकता है ? इसके द्वारा भरी सभा में अपने भक्तों के बीच की गयी बकवास की सूची बहुत लंबी है। कभी यह ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार को लेकर कहता है कि जिस महिला की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र न हो, उसे 'खाली प्लॉट' समझा जाए। इसके साथ ही इस ने ब्यूटी पार्लर जाने वाली महिलाओं पर भी तंज कसते हुए कहा था कि वे श्काले जामुन पर फाउंडेशनश लगा लेती हैं। उसका यह बयान काफी चर्चा में रहा। सोशल मीडिया और महिला संगठनों द्वारा इस बयान की तीखी आलोचना भी की गई थी। आलोचकों ने इसे पितृसत्तात्मक, स्त्री–विरोधी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया था। एक अन्य कथा के दौरान रामायण के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए उसने व्यास मंच से कहा था कि 'विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन श्री राम जी के पांच पिता थे। इस बयान की क्लिप वायरल होने के बाद सनातन धर्म के कई जानकारों ने इस पर सवाल उठाए।

निर्माणाधीन मकान की शटरिंग गिरी मकान मालिक के भाई की मौत



संवाददाता–देवरिया। जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के कवलाचक में गुरुवार को निर्माणाधीन मकान की शटरिंग अचानक टूट कर गिर गई। जिसके मलबे में दबने से ने मकान मालिक के भाई की मौत हो गई, जबकि दो मजदूर घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। सीओ संजय कुमार रेड्डी ने घटनास्थल का जायजा लिया। तरकुलवा थाना क्षेत्र के कवलाचक गांव निवासी नवाजीश अली के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। इन दिनों शटरिंग का कार्य चल रहा है। गुरुवार को हरैया गांव निवासी राजमिस्त्री ओमप्रकाश प्रजापति (48), कवलाचक गांव निवासी मोनू (24) और मकान मालिक के भाई नौशाद (50) काम कर रहे थे। इस बीच अचानक शटरिंग टूट कर गिर गई जिससे तीनों मलबे में दब गए और अफरा–तफरी मच गई। तेज आवाज के साथ शटरिंग के गिरने के चलते आसपास के लोग भी पहुंच गए और काफी मशक्कत के बाद मलबे से तीनों लोगों को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक नौशाद की मौत हो चुकी थी। वहीं ओमप्रकाश और मोनू गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। थानाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने बताया कि शटरिंग टूटने से एक व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है।

न्याय पाने को मोबाइल टावर व पानी की टंकी पर चढ़े दो युवक

संवाददाता–देवरिया। जिले के दो थाना क्षेत्रों में गुरुवार को न्याय की मांग को लेकर दो युवक मोबाइल टावर व पानी की टंकी पर चढ़ गए। जिसके बाद अफरा–तफरी मच गई। पुलिस व बीडीओ के आश्वासन के तीन घंटे बाद युवक एकौना थाना क्षेत्र के करहकोल में पानी की टंकी पर चढ़ा युवक उतर गया जबकि बरियारपुर थाना क्षेत्र के गौरकोठी में मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक देर शाम तक नहीं उतरा था। वह कार्रवाई करने के बाद ही मोबाइल टावर से उतरने की बात कह रहा था। पुलिस अधिकारी उसे टावर से उतारने के प्रयास में जुटे थे। रुद्रपुर संवाद के अनुसार एकौना थाना क्षेत्र के करहकोल गांव का रहने वाला मंटू चौधरी पुत्र शंभू चौधरी गुरुवार को दिन में करीब 11 बजे गांव के पानी की टंकी पर चढ़ गया। जिसे देखते ही गांव के लोगों की भीड़ जुट गई, लोग उसे नीचे उतरने के लिए कहने लगे। लेकिन मंटू नीचे उतरने की बजाय टंकी पर से कूदने की धमकी देने लगा। सूचना मिलते ही एकौना थानाध्यक्ष एकौना देवेन्द्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंच गए। उतरने के लिए कहने लगे, लेकिन वह नीचे उतरने से मना कर दिया। उसका कहना था कि उसके साथ मारपीट की गई, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। विकास कार्यों की जांच के लिए उसने मांग की, लेकिन वह भी जांच नहीं हुई। जब तक डीएम नहीं आएंगे, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगा। सूचना पर बीडीओ रुद्रपुर एजाज अहमद भी मौके पर पहुंचे और विकास कार्यों की जांच कराने का आश्वासन दिया। साथ ही एकौना थानाध्यक्ष ने केस दर्ज करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद युवक पानी की टंकी से उतारा और पुलिस ने राहत की सांस ली। बरियारपुर संवाद के अनुसार बरियारपुर थाना क्षेत्र के गौरकोठी गांव में कुछ दिन पहले दो पक्षों में विवाद हुआ। एक पक्ष पर हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज हुआ। कुछ लोग एक तरफ से गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तार लोगों की जमानत लेने के लिए गांव का विकास गोंड पुत्र राजेश गोंड पहुंचा। आरोप है कि कोर्ट से लौटते समय गुरुवार को उसे जान से मारने की धमकी दी गई और फर्जी मुकदमे में फंसाने की भी धमकी दी गई। इससे विकास परेशान हो गया और बिना पुलिस को सूचना दिए ही मोबाइल टावर पर चढ़ गया और वहीं से सोशल मीडिया पर अपने आरोपों से संबंधित वीडियो शेयर करने लगा। आरोप है कि एक जनप्रतिनिधि भी आरोपियों का पक्ष ले रहे हैं। वीडियो शेयर होते ही पुलिस परेशान हो गई और युवक को उतारने में जुट गई। हालांकि देर शाम तक पुलिस उसे मोबाइल टावर से उतारने में सफल नहीं हो पाई थी। थानाध्यक्ष दीपक सिंह ने बताया कि युवक को उतारने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही उसे मोबाइल टावर से उतार दिया जाएगा।

एचटी लाइन से टकराया डीजे, किशोर की मौत, आठ झुलसे

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के धनेश्वरपुर गांव में बुधवार रात शादी समारोह के दौरान डीजे वाहन पर लगा एंगल सड़क किनारे लगे 11 हजार वोल्ट के एचटी लाइन से टकरा गया। इसकी वजह से डीजे में उतरे करंट की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए। झुलसे लोगों का जिला मुख्यालय पर इलाज चल रहा है। पुलिस ने किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। बताया जाता है कि धनेश्वरपुर निवासी सफर अली की दो बेटियों की शादी बुधवार को थी। एक बारात खोखिया के न्योडार और दूसरी मोतीगंज से आई थी। देर रात करीब 10 बजे बारात डीजे के साथ नाचते–गाते गांव के पास कोढ़िया मजरे से गुजर रही थी। ट्रैक्टर–ट्रॉली पर डीजे के साथ लड़का और लड़की के नाम का बोर्ड लोहे के एंगल पर लगाया गया था। इसी दौरान एंगल ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार से छू गया। इससे पूरी ट्रॉली में करंट उतर गया। सड़क पर लाइट लेकर चल रहा अयोध्या के रौनाही थाना क्षेत्र के शेखपुरा निवासी अफरोज (15) गंभीर रूप से झुलस गया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। हादसे में अयोध्या जिले के रौनाही थानाक्षेत्र के शेखपुरा के शहजादे (25), रब्बीर (15)व अफजल (14), खैडासा क्षेत्र के गड़रही का दीपक(15), सोहावल के रियाज (15), सूरज (25) के साथ गोंडा जिले के मिनहाज(15) निवासी धनेश्वरपुर, फिरोज(25) निवासी बिरहमतपुर थाना वजीरगंज झुलस गए। सभी घायलों का जिला मुख्यालय पर इलाज चल रहा है। चालक को पहले ही दी गई थी चेतावनीरू प्रधान सफर अली ने बताया कि डीजे वाहन की ऊंचाई अधिक थी। बिजली के खंभे के पास पहुंचने पर लोगों ने चालक को हाईटेंशन तार नीचे होने की जानकारी देते हुए सावधान किया था। इसके बाद चालक ने तार और डीजे की ऊंचाई का अंदाजा लगाकर ट्रैक्टर आगे बढ़ा दिया। इसी लापरवाही में बोर्ड का एंगल तार से टकरा गया। डीजे ऑपरेटर और आसपास मौजूद लोग पहले ही दूर हट गए थे। जिसके कारण बड़ा हादसा होने से टल गया। मौके पर पहुंचे सीओ, जानकारी ली रू घटना की जानकारी पर सीओ तरबगंज डा उमेश्वर प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और घटना के बारे में मौजूद लोगों से पूछताछ की। प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह ने बताया कि घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी ले जाया गया था, जहां से इलाज के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया है। डीजे वाहन पुलिस के कब्जे में है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0/ आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5	6
1	09517010001035850RPM5172627004349	श्री दीपक गुप्ता पुत्र श्री मदनलाल गुप्ता	श्रीमती मीरा कुमारी पत्नी दीपक गुप्ता, अनवी गुप्ता पुत्री	दीपक गुप्ता	वारिसान
2	09517010006028927RPM5172627004328	श्रीमती उषा सिंह पत्नी स्व० दिनेश प्रताप सिंह	श्री मनीष कुमार सिंह	दिनेश प्रताप सिंह	रजि० सेल डीड
3	09517010006033655RPM5172627004325	श्री दिनेश चन्द्र	श्री प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, दिलीप चन्द्र पाण्डेय पुत्रगण	दिनेश चन्द्र पाण्डेय	वारिसान
4	09517010003019029RPM5172627004307	उत्तम देवी पत्नी देवी प्रसाद	श्री शिवकुमार, अशोक कुमार पुत्रगण	स्व० उत्तमा देवी पत्नी देवी प्रसाद	वारिसान
5	09517010002025372RPM5172627004299	गदाधर प्रसाद उर्फ गोपाल पुत्र स्व० सीताराम	श्रीमती सावित्री देवी पत्नी गदाधर प्रसाद, गर्वित कुमार, गौरव कुमार पुत्रगण	स्व० गदाधर प्रसाद	वारिसान
6	09517010003022880RPM5172627004287	हशीबुन निशा पत्नी अब्दुल समद	श्रीमती रुखसाना पत्नी	अली अहमद	रजि० सेल डीड
7	09517010008031666RPM5172627004276	श्रीमती गीता देवी पत्नी राज कुमार लाल	राजकुमार लाल श्रीवास्तव	परमात्मा प्रसाद	वारिसान
8	09517010002024965RPM5172627004268	अधारे पुत्र बनारसी श्रीमती विमला देवी पत्नी रामकेश	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी	राम अधारे	रजि० सेल डीड
9	09517010002024965RPM5172627004267	अधारे पुत्र बनारसी श्रीमती विमला देवी पत्नी रामकेश	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी राम अधारे, श्री विश्वजीत पुत्र	राम अधारे	वारिसान
10	09517010006031025RPM5172627004264	श्री महेश राजपाल पुत्र बंशीलाल राजपाल	रजित राजपाल पुत्र	महेश राजपाल	रजि० सेल डीड
11	09517010001019646RPM5172627004261	राम आसरे पुत्र नोहर	श्री राहुल राव व वीरेन्द्र प्रताप निगम पुत्र	स्व० राम आसरे	वारिसान
12	09517010002026847RPM5172627004258	श्रीमती प्रियंका पत्नी विनोद कुमार सोनी, श्रीमती निर्मला अग्रवाल पत्नी श्री विजय कुमार अग्रवाल	श्रीमती सोनी गुप्ता पत्नी	विशाल गुप्ता	रजि० सेल डीड
13	09517010001024880RPM5172627004260	रामआसरे पुत्र नोहर	श्री राहुल राव व वीरेन्द्र प्रताप निगम पुत्रगण	स्व० राम आसरे	वारिसान
14	09517010001025233RPM5172627004249	जगदीश पुत्र बद्री राम	श्री गौरव भारत पुत्र ज्ञान प्रकाश, प्रशांत सिंह चौहान पुत्र चौहान	विजय सिंह	रजि० सेल डीड
15	09517010003018734RPM5172627004244	सीता देवी पत्नी ज्वाला प्रसाद	श्रीमती आमिना खातून पत्नी	गुलाम हुसैन	रजि० सेल डीड
16	09517010005021099RPM5172627004239	अशोक कुमार पुत्र राजाराम	श्रीमती बिन्दू देवी पत्नी अशोक कुमार, श्रीमती शिल्पी पुत्री अशोक कुमार पत्नी	रजनीश कुमार	रजि० सेल डीड
17	09517010003022627RPM5172627004230	श्रीमती तैय्यबा खातून पत्नी मो० आलम	श्री राजेश वर्मा	राजेन्द्र प्रसाद वर्मा	रजि० सेल डीड
18	09517010003022739RPM5172627004235	श्री चंचल दास पुत्र मानिक राम भंजना मल पुत्र मानिकराम	श्रीमती धर्मी देवी पत्नी मज्जन लाल सिन्धी, रामकुमार पुत्र	मज्जन लाल सिन्धी	वारिसान
19	09517010008032561RPM5172627004227	श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र राम उजागिर ओझा	अश्वनी कुमार शुक्ला	अनिल कुमार शुक्ला	रजि० सेल डीड
20	09517010006028400RPM5172627004222	श्री पुरुषोत्तम, वीरेन्द्र, जयन्त मिश्र पुत्रगण श्री बाबूमुनि मिश्र, श्रीमती लता मिश्रा पत्नी स्व० बद्री विशाल मिश्र व देवेश शरण मिश्र पुत्र स्व० बद्री विशाल मिश्र, श्रीमती वन्दना मिश्रा पत्नी शम्भू शरण मिश्र	धर्मेन्द्र कुमार	भोला प्रसाद	रजि० सेल डीड
21	09517010006028398RPM5172627004220	श्री पुरुषोत्तम, वीरेन्द्र, जयन्त मिश्र पुत्रगण श्री बाबूमुनि मिश्र, श्रीमती लता मिश्रा पत्नी स्व० बद्री विशाल मिश्र व देवेश शरण मिश्र पुत्र स्व० बद्री विशाल मिश्र, श्रीमती बन्दना मिश्रा पत्नी शम्भू शरण मिश्र	धर्मेन्द्र कुमार	भोला प्रसाद	रजि० सेल डीड
22	09517010006028399RPM5172627004221	श्री पुरुषोत्तम, वीरेन्द्र, जयन्त मिश्र पुत्रगण श्री बाबूमुनि मिश्र, श्रीमती लता मिश्रा पत्नी स्व० बद्री विशाल मिश्र व देवेश शरण मिश्र पुत्र स्व० बद्री विशाल मिश्र, श्रीमती वन्दना मिश्रा पत्नी शम्भू शरण मिश्र	धर्मेन्द्र कुमार	भोला प्रसाद	रजि० सेल डीड
23	09517010006028397RPM5172627004219	श्री पुरुषोत्तम, वीरेन्द्र, जयन्त मिश्र पुत्रगण श्री बाबूमुनि मिश्र, श्रीमती लता मिश्रा पत्नी स्व० बद्री विशाल मिश्र व देवेश शरण मिश्र पुत्र स्व० बद्री विशाल मिश्र, श्रीमती वन्दना मिश्रा पत्नी शम्भू शरण मिश्र	धर्मेन्द्र कुमार	भोला प्रसाद	रजि० सेल डीड
24	09517010006028396RPM5172627004218	श्री पुरुषोत्तम, वीरेन्द्र, जयन्त मिश्र पुत्रगण श्री बाबूमुनि मिश्र, श्रीमती लता मिश्रा पत्नी स्व० बद्री विशाल मिश्र व देवेश शरण मिश्र पुत्र स्व० बद्री विशाल मिश्र, श्रीमती वन्दना मिश्रा पत्नी शम्भू शरण मिश्र	धर्मेन्द्र कुमार	भोला प्रसाद	रजि० सेल डीड
25	09517010006028401RPM5172627004223	श्री पुरुषोत्तम, वीरेन्द्र, जयन्त मिश्र पुत्रगण श्री बाबूमुनि मिश्र, श्रीमती लता मिश्रा पत्नी रव० बद्री विशाल मिश्र व देवेश शरण मिश्र पुत्र स्व० बद्री विशाल मिश्र, श्रीमती वन्दना मिश्रा पत्नी शम्भू शरण मिश्र	धर्मेन्द्र कुमार	भोला प्रसाद	रजि० सेल डीड
26	09517010007031142RPM5172627004210	श्रीमती शबनम खातून पत्नी मुस्ताक अली	आनन्द कुमार सोनी	ओम प्रकाश सोनी	रजि० सेल डीड
27	09517010001024427RPM5172627004203	श्री मनोहर लाल गुप्ता पुत्र स्व० राम उजागिर गुप्ता व श्री शुलभ गुप्ता पुत्र श्री राम चन्द्र गुप्ता, श्री रवि गुप्ता पुत्र राजेश्वर प्रसाद गुप्ता, श्री स्वनिल गुप्ता पुत्र श्री अनिल गुप्ता	श्रीमती मंजू पत्नी	स्व० वीरेन्द्र कुमार	रजि० सेल डीड
28	09517010004026043RPM5172627004201	शिवकुमार पुत्र ठाकुर प्रसाद	महेश कुमार गुप्ता, अमरनाथ गुप्ता	राम प्रकाश गुप्ता	रजि० सेल डीड
29	09517010008034352RPM5172627004192	श्रीमती माधुरी देवी पत्नी अनन्त कुमार	अनन्त कुमार श्रीवास्तव, रविता श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, प्रीती श्रीवास्तव क्रमशः पति, पुत्रीगण	स्व० माधुरी देवी	वारिसान
30	09517010005019304RPM5172627004189	श्रीमती चन्द्रा तिवारी पत्नी बृजबिहारी तिवारी	उज्जवल तिवारी नावालिक पुत्र ऋषि तिवारी संरक्षिका माता श्रीमती वंदना तिवारी	पत्नी ऋषि तिवारी	रजि० सेल डीड
31	09517010005026056RPM5172627004188	श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव, सुनील कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण स्व० विमल प्रसाद श्रीवास्तव, श्रीमती साधना श्रीवास्तव पत्नी स्व० राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव	स्व० विमला प्रसाद श्रीवास्तव	रजि० सेल डीड
32	09517010007030617RPM5172627004186	हरभजन सिंह पुत्र खजान सिंह	श्रीमती दर्शन कौर पत्नी हरभजन सिंह	हरभजन सिंह	रजि० सेल डीड
33	09517010002025039RPM5172627004181	श्री रविन्द्र सिंह पुत्र स्व० राम सेवक सिंह	सीमा सिंह	रविन्द्र सिंह	रजि० सेल डीड
34	09517010001024344RPM5172627004184	श्रीमती दुर्गेश नन्दनी पत्नी स्व० हृदयनरायन एवं श्रीमती उमा जायसवाल पत्नी स्व० संदीप कुमार तथा सुजीत कुमार जायसवाल पुत्र स्व० हृदयनरायन	उमा जैसवाल	स्व० संदीप कुमार जैसवाल	रजि० सेल डीड
35	09517010005021294RPM5172627004177	श्री पुनीत कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व. शिवनाथ प्रसाद श्रीवास्तव	उषा किरन पाठक	बृज किशोर पाठक	रजि० सेल डीड
36	09517010004027159RPM5172627004178	श्री विनोद कुमार पुत्र स्व० श्री राम शंकर	श्रवण कुमार	महादेव प्रसाद	रजि० सेल डीड

–शेष पेज चार पर

छठ पूजा से पहले घाटों की तैयारियां तेजः सफाई अभियान जारी

संवाददाता–संतकबीरनगर। र जिले में छठ पूजा में दो दिन शेष बचे हैं। इसकी तैयारी जोरों पर शुरू हो गई है। कहीं छठ घाटों की सफाई हो रही और बेदियां बनाई जा रही हैं। तो कहीं गंदगी फैली है। खास तौर से नगरीय क्षेत्रों में छठ घाटों की सफाई शुरू हो गई है। यहां का स्थानीय प्रशासन तैयारियों को लेकर सक्रिय हो गया है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश छठ घाटों पर गंदगी फैली है। यहां पर साफ सफाई की जिम्मेदारियां ग्राम पंचायतों के आधीन रहती हैं। इसके चलते लापरवाही हो रही है।


साफ–सफाई, रास्ते की व्यवस्था, वेदी

नाथनगर के ग्राम पंचायत अलीनगर स्थित कठिनईया नदी छठ घाट पर तैयारियों की रफ्तार देखकर जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक तरफ व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए आस्था के इस महापर्व की तैयारी में जुटी हैं। वहीं दूसरी तरफ छठ घाट पर बुनियादी व्यवस्थाएं तक मुकम्मल नहीं हो सकी हैं। घाट पर न तो अभी तक वेदी निर्माण का कार्य शुरू हुआ है और न ही साफ–सफाई सहित अन्य जरूरी इंतजाम पूरे किए गए हैं।

सबसे चिंताजनक स्थिति पुल निर्माण के लिए जमा की गई गिट्टी के ऊंचे ढेर की है। नदी किनारे श्रद्धालुओं के पहुंचने वाले स्थान पर गिट्टी का ढेर लगा होने से व्रती महिलाओं और उनके परिजनों को परेशानी उठानी पड़ेगी। पर्व के दौरान घाट पर उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच यह ढेर दुर्घटना का कारण भी बन सकता है। घाट की मौजूदा स्थिति देखकर व्रती महिलाएं और ग्रामीण अभी से परेशान हैं। छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व को लेकर ग्राम पंचायत की उदासीनता है। वहीं ब्लॉक के जिम्मेदार कर्मचारियों की निगरानी और जवाबदेही भी सवालों के घेरे में है।

निर्माण और श्रद्धालुओं की सुविधा जैसे जरूरी कार्य अब तक अधूरे पड़े हैं। ग्राम प्रधान संजय कुमार ने कहा कि छठ पूजा के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। मिट्टी गिराई गई है। साफ सफाई कार्य शुरू होगा। वेदी निर्माण कराया जाएगा। पूजा से पहले पूरी तरह घाट पर श्रद्धालुओं की जरूरत के हिसाब से पूरा कार्य युद्ध स्तर पर किया जाएगा

पौली क्षेत्र में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्व पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए छठ पूजा घाटों की साफ–सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। घाटों पर फैली गंदगी, झाड़ियों और कचरे को हटाने के साथ ही पूजा स्थल को व्यवस्थित करने की कवायद तेज हो गई है। हालांकि कुआनो के तट पर अभी गंदगी पड़ी हुई है। सफाई नहीं हो सकी है। छठ पूजा के नजदीक आते ही घाटों पर रौनक बढ़ने लगी है। व्रती महिलाएं और उनके परिजन पूजा की तैयारियों में जुट गए हैं।

घाटों पर व्रतियों के पहुंचने, पूजा–अर्चना करने और अस्ताचलगामी तथा उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए साफ–सफाई को प्राथमिकता दी जा रही है।

मेंहदावल में छठ पर्व को लेकर नगर प्रशासन सक्रिय बना हुआ है। तैयारियों को चकाचक कराने को लेकर ईओ पंकज कुमार ने कस्बे के सभी पोखरों का जायजा लिया। पूजा स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था, पोखरों की साफ–सफाई को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिया। पोखरों को जोड़ने वाली सड़कों को भी साफ–सुथरा करने का निर्देश दिया। कुबेरनाथ नाथ, पंचमुखी शिव मंदिर, ठाकुरद्वारा, गंगासागर पोखरे, सोनबरसा पोखरे पर बुधवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया। ईओ ने कहा कि छठ पर्व को सकुशल सम्पन्न कराना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। भगवान भास्कर के पर्व पर श्रद्धालुओं को असुविधा से बचाने के लिए नगर पंचायत लगातार काम कर रहा है।

धर्मसिंहवा में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर पंचायत धर्मसिंहवा में तैयारियां तेज हो गई हैं। व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत प्रशासन की ओर से विभिन्न वार्डों में स्थित पोखरों और छठ घाटों की साफ–सफाई कराई जा रही है। इसके लिए सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई गई है, ताकि पर्व से पहले सभी चिह्नित घाटों पर सफाई व्यवस्था पूरी की जा सके। नगर पंचायत के वार्ड नंबर नौ स्थित मनसा पोखरा छठ घाट पर गुरुवार को रोस्टर के अनुसार सफाई कर्मचारियों को लगाकर साफ–सफाई कराई गई। इस दौरान घाट परिसर और आसपास की झाड़ियों व घास की सफाई के साथ संपर्क मार्ग को भी व्यवस्थित किया गया।पूजा स्थल से लेकर वहां तक पहुंचने वाले रास्ते को स्वच्छ बनाया जा रहा है, जिससे छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मां ने मासूम को मार डाला, खुद फांसी पर लटक गई



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यूपी में शोहरतगढ़ थाना स्थित कस्बे में बुधवार की रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक महिला अपने डेढ़ साल के मासूम बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी और खुद फांसी पर झूल गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया है। शोहरतगढ़ कस्बे के रघुनाथ नगर वार्ड में किराए के मकान में झांसी जिला के भिंडा निवासी रामनरेश अपनी पत्नी काजल (25), डेढ़ साल के बेटे टाइगर और छह माह की बेटी रिया के साथ रहता था। रामनरेश गोलगप्पे बेचता था। इधर रात में तकरीबन 8.30 बजे काजल ने अपने मासूम बेटे टाइगर को पटक–पटक कर मारना शुरू कर दिया। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर जब तक आसपास के लोग पहुंचते, इससे पहले ही काजल ने टाइगर का गला घोंट दिया जिससे उसकी मौत हो गई। बेटे की हत्या करने के बाद काजल छत में लगी कुंडी से लटक गई। शोर–शराबा सुन बगल में किराए पर कमरा लेकर रह रहा टाइगर का चाचा दौड़कर पहुंचा लेकिन तब तक मां–बेटे की मौत हो चुकी थी।

यात्रियों से भरी इलेक्ट्रिक वैन 500 मीटर गहरी खाई में गिरी, 10 की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल के मकवानपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। भीमफे दी गांवपालिका–6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन (ईवी) अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। जानकारी के अनुसार, मधेश प्रदेश 03–001 ज 0880 नंबर की इलेक्ट्रिक वैन काठमांडू से सर्लाही की ओर जा रही थी। इसी दौरान भीमफे दी–कुलेखानी–काठमांडू सड़कखंड पर चिसापानी गढ़ी के पास वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।



घायलों में सर्लाही जिले के चक्रघट्टा गांवपालिका–4 सुंदरपुरटोल निवासी 33 वर्षीय मुकेश यादव, पांच वर्षीय सक्षम कुमार यादव और तीन वर्षीय सुदन यादव शामिल हैं। हेटौंडा अस्पताल में भर्ती मुकेश यादव के सिर और पीठ में चोट आई है, जबकि सक्षम कुमार यादव के शरीर में अंदरूनी चोटें लगी हैं। दोनों की हालत सामान्य बताई गई है। वहीं तीन वर्षीय सुदन यादव के सिर और मुंह में चोट आई है। उनकी स्थिति मध्यम बताई गई है। सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के सहप्रवक्ता शैलेन्द्र थापा ने बताया कि दुर्घटना में कुल 10 लोगों की मौत हुई है और पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से राहत एवं बचाव कार्य किया गया। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

नगर आयुक्त ने पार्षदों को लिखा पत्र : स्व–गणना में मांगा सहयोग

संवाददाता–गोरखपुर। जनगणना–2027 के दूसरे चरण में 16 नवंबर से स्व–गणना (सेल्फ इन्यूमरेशन) की प्रक्रिया शुरू होगी। 30 नवंबर तक लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से खुद अपने परिवार और सदस्यों का विवरण दर्ज कर सकेंगे। नगर आयुक्त एवं अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी अजय जैन ने सभी पार्षदों को पत्र भेजकर पहले खुद स्व–गणना करने और फिर अपने वार्ड के लोगों को इसके लिए जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी है। स्व–गणना के लिए भारत सरकार ने बमदेने.हवअ.पद पोर्टल तैयार किया है। इस पर निर्धारित सवालों के जवाब भरने के बाद एक सेल्फ इन्यूमरेशन आईडी (एसई–आईडी) जनरेट होगी। आवेदक को इसे सुरक्षित रखना होगा और एक दिसंबर से चार जनवरी के बीच घर–घर पहुंचने वाले प्रगणक को उपलब्ध कराना होगा।

प्रगणक इसी आईडी के आधार पर परिवार के विवरण का सत्यापन करेंगे।नगर आयुक्त अजय जैन ने पार्षदों से अपील की है कि वे स्व–गणना करते समय अपनी सेल्फी लें और उसे सोशल मीडिया या व्हाट्सएप स्टेटस पर साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस डिजिटल अभियान से जुड़ सकें। इसके लिए 16 से 30 नवंबर तक 15 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। नगर निगम का लक्ष्य शहर में शत–प्रतिशत जनगणना सुनिश्चित करना है।

छठ पर रेलवे चलाएगा 214 स्पेशल ट्रेन

संवाददाता– गोरखपुर। छठ महापर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने इस बार विशेष ट्रेनों के संचालन की व्यापक व्यवस्था की है। यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 214 स्पेशल ट्रेनें नोटिफाई की गई हैं। ये ट्रेनें 2044 फेरों में चलाई जा रही हैं।

इनमें 43 ट्रेनें ऐसी हैं, जो पूर्वोत्तर रेलवे के अलग–अलग स्टेशनों से शुरू होंगी, जबकि बाकी ट्रेनें पासिंग स्पेशल के रूप में विभिन्न महानगरों और प्रमुख शहरों को जोड़ेंगी। रेलवे का दावा है कि इन ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों के लिए प्रमुख गंतव्यों तक पहुंचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ सुमित कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है। इसे देखते हुए ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के साथ ही प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण की विशेष योजना लागू की गई है।

पूर्वोत्तर रेलवे के चार स्टेशनों गोरखपुर जंक्शन, छपरा, बनारस और लखनऊ जंक्शन को इसके लिए चिह्नित किया गया है। इन स्टेशनों पर अतिरिक्त यात्री होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं, ताकि ट्रेन छूट पर यात्रियों की सबसे अधिक आवाजाही को देखते हुए गोरखपुर जंक्शन पर चार यात्री होल्डिंग एरिया तैयार किए गए हैं। इनमें तीन होल्डिंग एरिया प्लेटफॉर्म नंबर एक से सटे हुए हैं, जबकि चौथा प्लेटफॉर्म नंबर नौ की तरफ बनाया गया है।

सभी होल्डिंग एरिया को मिलाकर एक साथ करीब ढाई से तीन हजार यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इन होल्डिंग एरिया में यात्रियों की सुविधा के लिए कई इंतजाम किए गए हैं। यहां पीने के पानी, मोबाइल चार्जिंग के लिए सॉकेट और कूलर की व्यवस्था की गई है।

इसके अलावा प्राथमिक उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। यात्रियों की मदद के लिए सहायता डेस्क बनाई गई है, जहां उन्हें जरूरी जानकारी के साथ टिकट संबंधी सुविधा भी मिल सकेगी।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं अंकित चौधरी पुत्र रामवृक्ष चौधरी, निवासी ग्राम–बेलघाट, जिला–बस्ती के मूल मार्कशीट व प्रमाण–पत्र— UPMSP हाईस्कूल वर्ष 2019 रोल नं. 2850452 एवं इण्टरमीडिएट वर्ष 2021, रोल नं. 2172609030 व BTEUP डिप्लोमा वर्ष 2024, एनरोलमेंट नं. E21330134300008 दिनांक 09/11/2026 को ट्रेन यात्रा में खो गए हैं। मिलने पर सूचित करें– 9511018679

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनफीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–407/2024

दशरथ

बनाम

श्रीमती प्रानपती देवी उर्फ प्रानपाती आदि

1. श्रीमती प्रानपती देवी उर्फ प्रानपाती उम्र करीब 48 साल पत्नी श्री राममिलन साकिन मड़वा नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–01–2027

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मससुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनफीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–409/2024

दशरथ

बनाम

श्रीमती प्रानपती देवी उर्फ प्रानपाती आदि

1. श्रीमती प्रानपती देवी उर्फ प्रानपाती उम्र करीब 48 साल पत्नी श्री राममिलन साकिन मड़वा नगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–01–2027

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मससुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनफीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–T20261740316421

मुक्तनाथ

बनाम

राजेश कुमार आदि

1. राजेश कुमार 2. प्रदीप कुमार पुत्रगण स्व0 हीरालाल 3. श्रीमती संगीता पत्नी स्व0 हीरालाल 4. लल्लन पुत्र सन्तराम 5. कृष्णचन्द्र पुत्र संग्राम समस्त निवासीगण ग्राम मुडवरा चिन्ता तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 6. ग्राम प्रधान/भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम मुडवरा चिन्ता तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 7.ग्राम प्रधान/भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम शाहपुर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 8. उ0प्र0 सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मससुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

राप्ती तट पर बनेगा आधुनिक मुक्तिधाम, विधायक अनिल त्रिपाठी ने किया शिलान्यास

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में मेंहदावल ब्लाक के पूर्वी कछार क्षेत्र के बेलौली गांव में राप्ती नदी के तट पर आधुनिक अंत्येष्टि स्थल (मुक्तिधाम) का निर्माण कराया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक अनिल त्रिपाठी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके निर्माण से बेलौली समेत आसपास के कई गांवों के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए बेहतर और व्यवस्थित सुविधा मिल सकेगी।प्रदेश सरकार की योजना के तहत बनने वाले इस मुक्तिधाम की मांग क्षेत्रीय ग्रामीण लंबे समय से कर रहे थे। शिलान्यास के दौरान विधायक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ ही जनहित से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। राप्ती नदी के किनारे पक्के और व्यवस्थित शवदाह स्थल की सुविधा न होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। खासकर बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने और घाट पर कीचड़ व जलभराव होने से अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो जाता था। कई बार लोगों को असुविधाओं के बीच अंतिम संस्कार की व्यवस्था करनी पड़ती थी। ग्रामीणों को मुक्तिधाम का निर्माण होने से इस समस्या से काफी हद तक निजात मिलने की उम्मीद जगी है। इस दौरान ग्राम प्रधान, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

37	09517010021563R	PM5172627004173	श्री धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र गौरी शंकर गुप्ता	राम आज्ञा जायसवाल	श्रीनाथ	रजि० सेल डीड
38	09517010080362 41R	PM5172627004174	श्रीमती आशा लता पाण्डेय पत्नी श्री सूर्यदेव पाण्डेय	महबूब आलम	अब्दुल रहमान	रजि० सेल डीड
39	09517010040257 46R	PM5172627004159	श्री रामप्रताप पुत्र रामदुलारे	अमित कुमार	राम प्रताप	रजि० सेल डीड
40	09517010010216 43R	PM5172627004155	श्रीमती माया देवी पत्नी ओमप्रकाश	श्री दिनेश कुमार गुप्ता व प्रमोद कुमार कसौधन	बासदेव प्रसाद	रजि० सेल डीड
41	09517010080332 60R	PM5172627004153	श्रीमती मंजू श्रीवास्तव व साधना श्रीवास्तव पुत्रियां संकटा प्रसाद श्रीवास्तव	राजेश कुमार गुप्ता	सुरेश चन्द्र गुप्ता	रजि० सेल डीड
42	09517010010379 32R	PM5172627004148	श्री श्याम सुन्दर पुत्र स्व० हरीलाल	श्रीमती रीता पत्नी स्व० श्याम सुन्दर, वन्दना व संजना पुत्रीगण स्व० श्याम सुन्दर, आकाश पुत्र स्व० श्याम सुन्दर	श्याम सुन्दर	वारिसान
43	09517010040275 75R	PM5172627004138	रामसेवक, बलराम, रामरूप पुत्र हरिराम	अमर नाथ सोनी	लक्ष्मी प्रसाद सोनी	रजि० सेल डीड
44	09517010080367 54R	PM5172627004128	श्री भोला वर्मा पुत्र बेकारू	वेद प्रकाश वर्मा	भोला राम वर्मा	वारिसान
45	09517010005213 02R	PM5172627004122	कैलाश पति पत्नी जे०बी०दूबे	चन्द्र कमल दूबे	जैस राज प्रसाद	वारिसान
46	09517010080319 38R	PM5172627004116	गंगाराम चौधरी	प्रमोद चौधरी	गंगा राम चौधरी	रजि० सेल डीड

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः–2573 (A)/न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2026–27 दिनांकः–12–11–2026

मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण 17 नवम्बर से

संवाददाता– अम्बेडकरनगर, जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्सना बंधु ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 17 नवंबर को एकीकृत मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जाएगा। इसके साथ ही 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, काटने या संशोधन के लिए दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन विभाग ने चार विशेष अभियान तिथियां भी तय की हैं। 21, 22, 28 और 29 नवंबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट मौजूद रहकर दावे और आपत्तियां प्राप्त करेंगे। प्राप्त सभी आवेदनों का निस्तारण 28 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद चार जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिविल निगरानी सं0–46/2025

रामलौट आदि

बनाम

बृजलाल आदि

1. बृजलाल उम्र 75 साल पुत्र नगेसर 2/1 गोमती प्रसाद उम्र 65 साल 2/2 रामसुमग उम्र 62 साल पुत्रगण रामआसरे समस्त साकिनान अहिरौली तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 11–12–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिया महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 12 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 12 माह 11 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

जो0च0 आकार पत्र 6–क [(नियम–26 (3)]

नोटिस

[धारा –9 क (2) के अधीन]

पुस्तक संख्या. नियम 109 कम संख्या. .....

वाद संख्या–109

न्यायालय– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला बस्ती

आशाराम आदि

बनाम

सरकार

1. चन्द्रावती पत्नी विनोद शर्मा साकिन विशुनागा तप्पा सिकन्दर पोस्ट खोरासा सब आफिस जिला गोण्डा पिनकोड–271123

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे सामने भूमि के सम्बन्ध में अधिकार और दायित्व संयुक्त दोनों का विभाजन और गाटों, पेड़ो, कूंओ तथा अन्य समुन्तियों के मूल्य का अवधारण करने के लिये एक वाद रजिस्टर तैयार किया गया है। आपको एतद् द्वारा आदेश दिया जाता है कि चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती **16–11–2026** को में 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या यथावत अधिकृत अभिकर्ता द्वारा उपस्थित हो। यदि आप उपस्थित न होंगे तो विवाद आपकी अनुपस्थिति में निर्णीत कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और कार्यालय के मुहर से दिनांक को जारी किया गया।

चकबन्दी अधिकारी

सहायक चकबन्दी अधिकारी मण्डल (सर्किल)....

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान विशेष न्यायाधीश/भ्रष्टाचार निवारण अधि0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिविल अपील सं0–26/2021

दुलारे आदि

बनाम

दीपक कुमार आदि

3/1 मनीष कुमार उम्र 25 वर्ष पुत्र शम्भूनाथ चौधरी 3/2 प्रभा देवी उम्र 55 वर्ष पत्नी शम्भूनाथ चौधरी साकिनान डफाली टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–12–2026

चूंकि उपरीनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 12 के 01 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2026 के 11 माह के 12 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com dainikbhartiyabasti@gmail.com